मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–021

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-021 : संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान-परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्डों को हल करना अनिवार्य है।*

*(ii) सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी **अथवा** संस्कृत में से केवल एक भाषा में दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* *3×20=60*

1. 'रत्न' शब्द की प्राचीनता को स्पष्ट करते हुए रत्नों के इतिहास पर विस्तृत रूप से लिखिए।

2. जल की उत्पत्ति एवं परिभाषा, जल के स्वरूप एवं गुणों पर प्रकाश डालिए।

3. वैदिक साहित्य का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. भौतिक विज्ञान को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख सिद्धान्तों व नये आयामों का वर्णन कीजिए।

5. कृषि विज्ञान का वर्णन करते हुए उसके आचार्य व ग्रन्थों को स्पष्ट कीजिए तथा वैदिक साहित्य में वर्णित प्रमुख कृषि उपकरणों को स्पष्ट कीजिए।

6. पर्यावरण एवं वृष्टि विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मनोविज्ञान की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

8. वास्तुशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों एवं आचार्यों का वर्णन कीजिए।

9. रसायन विज्ञान के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए।

10. वृक्षारोपण की विधि एवं नियम बताइए।

11. वनस्पति विज्ञान का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

12. संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता को स्पष्ट कीजिए।

13. संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान के किन्हीं **पाँच** तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

14. चिकित्सा विज्ञान का सामान्य परिचय दीजिए।

× × × × ×